



खुशखबरी...खुशखबरी...खुशखबरी...!!!



अब वेबसाइट पर उपलब्ध ओम शान्ति मीडिया

OM SHANTI MEDIA IS IN YOUR HAND

Scan QR Code to Download Android Mobile App and enjoy free :

1. Om Shanti Media South India
2. Om Shanti Media North India
3. Om Shanti Media NEWS
4. Daily Self Progress Chart
5. Daily Swamaan



GET IT ON
Google Play

Rating 4.4
Downloads
10,000 +

Now subscribe your printed media online!

1. Select subscription
 2. Choose How many copies
 3. Enter your details
 4. Pay with Paytm, Google Pay, Phone Pay, UPI
- You will receive printed copy at your doorstep !!



Read in 103 world wide languages
<http://www.omshantimedia.org>

आपको सूचित करते हुए हमें अति प्रसन्नता हो रही है कि आध्यात्मिक सेवा समाचार की बढ़ती रुचि को देखते हुए और आप सब के हाथ में ओम शान्ति मीडिया पहुंचे और उसका आनंद ले सकें, उसके लिए ओम शान्ति मीडिया की वेबसाइट तैयार की गई है। देखते ही देखते जो थोड़े ही समय में 70000 से भी अधिक लोगों द्वारा देखी जा रही है। इसकी लोकप्रियता और उसमें दर्शायी आध्यात्मिक सामग्री आपके जीवन-स्तर को बेहतर बनाने में मदद करती है। इस वेबसाइट में मन में उठने वाले प्रश्नों का समाधान मन की बातें, त्योहारों के आध्यात्मिक रहस्य लिये हुए लेख, तनाव-

प्रबंधन, खुशनुमा जीवन बनाने के तरीके, अपने जीवन को उच्च व दिव्य बनाने हेतु तथा राजयोग के माध्यम से तन व मन को स्वस्थ बनाने की सामग्री तथा आपका स्वास्थ्य-आपकी डाइट से सम्बंधित कॉलम इसको और भी बेहतर और रुचिकर बनाता है। तो अब आप वेबसाइट <http://omshantimedia.org> पर विजिट कर ओम शान्ति मीडिया पढ़ सकते हैं। तथा खुशखबरी ये भी है कि आप अपने मोबाइल में Omshanti Media APP डाउनलोड करके भी ओम शान्ति मीडिया पढ़ सकते हैं और इससे लाभान्वित हो सकते हैं। अब यह आपकी सेवा में पूर्णतः उपलब्ध है।

शुभ-चिंतक के लिए...जरूरी...!!!



शुभ-विचार से सद्-आचार की प्रेरणा मिलती है। जितना जिसके पास शुभ-विचारों का खजाना होगा, उतना ही वे सद्-आचरण के लिए प्रेरित रहेगा। विचार ही मनुष्य की पहचान होती है। अब वो कैसा विचार है, ये बात रही। अब वो किस क्वालिटी का विचार लिए घूमता-फिरता है, उसी अनुरूप उसका व्यक्तित्व पनपता है। अब हम बात ये करते हैं कि विचारों को शुभ व सुदृढ़ कैसे बनायें जिससे हम हमारी जीवन-यात्रा को सुखद बना सकें। हर विचार में एक शक्ति होती है। पर उसका रंग कैसा हो, ये हमारे पर निर्भर है। तो हमें कौन-से विचार को प्रखर बनाना है और किस विचार को नहीं लेना है, ये हमारी च्वाइस होती है। किसी भी विचार में निखार लाना है तो उस विचार को बारंबार दोहराते हुए उस पर चिंतन करना होगा। शुभ-चिंतन ही बीज है शुभ-चिंतक बनने का। एक तरफ हम दूसरे की भलाई का, शुभ सोचने का प्रयास करते हैं, हमारे से किसी को दुःख न पहुंचे, पर समय आने पर न चाहते भी वो हो जाता है। ऐसे में अगर हम इस वस्तु, स्थिति को बदलना चाहते हैं तो शुभ-चिंतन के हथियार की धार तेज करनी होगी। अर्थात् शुभ-चिंतन की आदत बनानी ही होगी।

शुभ-चिंतन के लिए हमें कहीं न कहीं अपने आप को नियम में बांधना होगा। क्योंकि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सिस्टम, डायरेक्शन और



टाइम(समयबद्धता), ये तीन चीजें होनी जरूरी होती हैं।

जो लोग अपने लिए नियम नहीं बनाते, उन्हें फिर दूसरों के बनाये हुए नियमों पर चलना पड़ता है। मंजिल तक पहुंचने के लिए रास्ता मिल जाना ही पर्याप्त नहीं है, अपितु एक

अनुशासन, समर्पण, प्रतिबद्धता और एक बहुत बड़े जुनून की भी आवश्यकता होती है।

जीवन के छोटे-छोटे नियम आपको बड़ी-बड़ी परेशानियों से बचा लेते हैं। कई बार छोटे-छोटे नियमों का पालन न करना ही बड़ी परेशानियों का कारण बन जाता है।

अतः कोई दूसरा आकर आप पर राज करे, इससे तो अच्छा है आप स्वयं ही अपने पर राज करें। अपने जीवन के लिए कुछ नियम जरूर बनायें और उनका पालन भी करें। नियम से ही सफलता के शिखर का मार्ग प्रशस्त होता है।

तो शुभ-चिंतन के हथियार के माध्यम से ही शिखर की यात्रा तय की जा सकती है। इसके लिए आप रोज आध्यात्मिक-पाठन, सत्संग व मेडिटेशन को अपने जीवन का हिस्सा बनायें।

शुभ-चिंतन का सीधा-सा कनेक्शन है शिव से। शिव यानी कल्याणकारी। जीव और शिव के मध्य शुभ-रूपी सेतु जितना सुदृढ़ होगा, उतना ही हरेक के लिए मंगलमय हम बन सकेंगे और मंगलमय कामना कर सकेंगे।

आज संसार के वायुमण्डल में ये आवाज आती है कि कोई हमारी मदद करे, कोई हमारी राह को आसान करे, सब ऐसी आश लिये हुए दिखाई पड़ते हैं। ऐसे में हमें दूसरों की सहायता करनी है तो सबसे पहले शुभ-चिंतन के सांचे में ढलना होगा और उसे मजबूत बनाना होगा। और शुभ-चिंतन की ढाल से ही दूसरे का शुभ-चिंतक बन सकेंगे। तो हमें शुभ-चिंतन के हथियार को इतना व्यवस्थित रूप से तेज-तर्रार बनाना है, जिससे समय आने पर उसका हम पूर्ण रूप से उपयोग कर सकें। कहते हैं, शुभ-चिंतन करने वाला ही शुभ-चिंतक बन सकेगा। तो बीज है शुभ-चिंतन। ऐसे करना चाहेंगे ना! दुःखियों के दर्द मिटाने के लिए खुद को तैयार करेंगे ना! क्यों नहीं, वे भी तो हमारे ही भाई-बहनें हैं ना! उनका हम सहारा नहीं बनेंगे, तो और कौन बनेगा!

- ब्र.कु. प्रीति,बाजीपुरा



सुन्नी-शिमला-हि.प्र.। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को राजयोगिनी दादी जानकी के प्रथम पुण्य स्मृति दिवस पर मुख्यालय में आने का निमंत्रण देने के पश्चात् ब्रह्माकुमारीज की गतिविधियों से अवगत कराते हुए ब्र.कु. प्रकाश,मा.आबू, ब्र.कु. सुपमा,सोलन, ब्र.कु. रेवादास, ब्र.कु. रकेश,माउण्ट आबू तथा अन्य।



पी.यू.आर.सी.-ब्रह्मपुर(ओडिशा)। 85वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर आयोजित कॉन्फ्रेंस में मंचासीन हैं सुकान्त चन्द्र,पुटी,रिटायर्ड सुपरीटेंडेंट इंजीनियर, रामेश्वर राव,जी.एम.,ओ.टी.पी.सी.एल.,बी.बी.एस.आर., अशोक कुमार राय,सीनियर मैनेजर,टाटा स्टील,ब्रह्मपुर, राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू दीदी, ब्र.कु. माला बहन, डॉ. प्रकाश चन्द्र पात्र,फिजीशियन एंड डायबिटोलॉजिस्ट तथा अन्य।



फर्रुखाबाद-सराय अगहत(उ.प्र.)। 85वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर शिव ध्वजारोहण के पश्चात् ईश्वरीय स्मृति में स्वामी भानुप्रताप शुक्ला त्यागी जी महाराज,बाबा नीमकरोरी धाम, ब्र.कु. मंजू बहन तथा अन्य।



रवालिपर-म.प्र.। महिला दिवस पर आयोजित 'संस्कृति की संरक्षक महिला' कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए माधवी सिंह,संचालिका,नशा मुक्ति केन्द्र, पद्मा शर्मा,अध्यक्षा,महिला मोर्चा मंडल, बबिता डाबर,समाजसेवी, ऋचा शिवहरे, नीलम जगदीश गुप्ता,संस्थापिका संस्कार मंजरी, कल्पना मेहता,पूर्व अध्यक्ष,इनर व्हील क्लब, ब्र.कु. आदर्श दीदी,स्थानीय संचालिका, डॉ. साधना शंकर तथा आशा सिंह,समाजसेविका।



झालावाड़-राज.। महिला दिवस के अवसर पर श्रीमन् नारायण वृद्धाश्रम में राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. मीना बहन को सम्मानित किया गया।



रतलाम-नजरबाग कॉलोनी(म.प्र.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए यातायात सूबेदार मोनिका सिंह चौहान, लायंस क्लब अध्यक्ष सीमा भारद्वाज, कोषाध्यक्ष कांता छंगाणी, सचिव कौशल्या त्रिवेदी, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सीमा तथा ब्र.कु. जयंती,झाबुआ क्षेत्रीय संचालिका।